Durga Aarti PDF 2023 | दिव्य आशीर्वाद 7 शक्तिशाली दुर्गा आरती पीडीएफ़

- ॐ जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी । तुमको निशदिन ध्यावत, मैया जी को सदा मनावत, हरि ब्रह्मा शिवरी ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती
- मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को । उज्वल से दोउ नैना, निर्मल से दोउ नैना, चन्द्रबदन नीको ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती |
- कनक समान कलेवर,,रक्ताम्बर राजै । रक्त पुष्प गलमाला, लाल कुसुम गलमाला, कण्ठन पर साजै ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती |

pdfacademy.net

- केहरि वाहन राजत, खड़ग खप्परधारी । सुर नर मुनिजन सेवत, सुर नर मुनिजन ध्यावत, तिनके दुखहारी ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती |
- कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती । कोटिक चन्द्र दिवाकर, कोटिक चन्द्र दिवाकर, सम राजत ज्योति ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती |
- शुम्भ निशुम्भ विडारे, महिषासुर घाती । धूम्र विलोचन नैना, मधुर विलोचन नैना, निशदिन मदमाती ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती |
- चण्ड मुण्ड संघारे, शोणित बीज हरे । मधुकैटभ दोउ मारे, मधुकैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती
- ब्रह्माणी रुद्राणी तुम कमला रानी । आगम निगम बखानी, चारों वेद बखानी, तुम शिव पटरानी ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती
- चौसठ योगिनी गावत, नृत्य करत भैरू । बाजत ताल मृदंगा, बाजत ढोल मृदंगा, अरु बाजत डमरू ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती
- तुम हो जग की माता, तुम ही हो भर्ता । भक्तन की दुख हरता, संतन की दुख हरता, सुख-सम्पत्ति करता ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती
- भुजा चार अति शोभित, वर मुद्रा धारी । मनवांछित फल पावत, मनइच्छा फल पावत, सेवत नर नारी ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती
- श्री अम्बे जी की आरती, जो कोई नर गावै, मैया प्रेम सहित गावें । कहत शिवानन्द स्वामी, रटत हरिहर स्वामी, मनवांछित फल पावै ।।. दुर्गा आरती |
- ॐ जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी । तुमको निशदिन ध्यावत , मैया जी को सदा मनावत, हरि ब्रह्मा शिवरी ।। ॐ जय अम्बे गौरी ।. दुर्गा आरती

- PDF Academy: Unlock the power of PDF files with our online platform. Learn essential skills like creating, editing, converting, and securing documents. Our expert instructors and interactive resources will enhance your digital workflows. Join now and master the art of PDF management for personal and professional success. Visit pdfacademy.net

|| श्री अम्बे माँ की आरती ||

|| ॐ श्री गणेशाय नमः ||

ॐ जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी |
तुमको निशदिन ध्यावत, मैया जी को सदा मनावत, हरि ब्रहमा शिवरी ||
ॐ जय अम्बे गौरी |
मांग सिंदूर विराजत, टीको मृगमद को |
उज्ज्वल से दोउ नैना, निर्मल से दोउ नैना, चन्द्रबदन नीको ||
ॐ जय अम्बे गौरी |
कनक समान कलेवर,,रक्ताम्बर राजै |
रक्त पुष्प गलमाला, लाल कुसुम गलमाला, कण्ठन पर साजै ||
ॐ जय अम्बे गौरी |
केहरि वाहन राजत, खड़ग खप्परधारी |
सुर नर मुनिजन सेवत, सुर नर मुनिजन ध्यावत, तिनके दुखहारी ||
ॐ जय अम्बे गौरी |
कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती |
कोटिक चन्द्र दिवाकर, कोटिक चन्द्र दिवाकर, सम राजत ज्योति ||
ॐ जय अम्बे गौरी |
शुम्भ निशुम्भ विडारे, महिषासुर घाती |
धूम्र विलोचन नैना, मधुर विलोचन नैना, निशदिन मदमाती ||
ॐ जय अम्बे गौरी |
चण्ड मुण्ड संघारे, शोणित बीज हरे |
मधुकैटभ दोउ मारे, मधुकैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे ||